

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम अ सं सं सं
23/7/24	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील प्राची वावछूद सूचना के उपरिष्पत नहीं आए। बार-बार भावाजों लगवाई गई फिर भी कोर्टे उपरिष्पत नहीं आए इतना लिखते पर वादिया उपरिष्पत हुई। अग्रिम जिम्मेदारी मूल वाद में कराई गई। पत्रावली वादों वलस में दिनांक 6/8/24 को पेश है।</p> <p><i>[Signature]</i> 23/7/24</p>	
6/8/24	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील प्राचीया एवं प्राचीयाशक्तम उपरिष्पत नहीं आए। बार-बार भावाजों लगवाई गई फिर भी कोर्टे उपरिष्पत नहीं आए न ही इतकी ओट से किराये उपरिष्पत की गए। प्राचीया का प्राचीया पत्र अन्तर्गत धारा 212 सार के एक अदम धारण अदम पेशी में रवायिज किया जाता है। पत्रावली केवल शुमार लेक जम्बल से कम है।</p> <p><i>[Signature]</i> 6/8/24</p>	

